

प्रेस विज्ञप्ति

योग दिवस पर लाल किला मैदान में होगी दिल्ली की सबसे बड़ी सामूहिक योग

विश्व योग दिवस के उपलक्ष में आयोजित एक दिवसीय सार्वजनिक कार्यक्रम की समापन

'परमात्मा से योग ही सबसे बड़ी योग है इसीसे संसार स्वर्ग बनेगा'-राजयोगिनी दादी जानकी

'तन की स्वास्थ्य हठ योग से, तो मन और आत्मा का स्वास्थ्य राजयोग से होगी'-मिनाक्षी लेखी

नयी दिल्ली, 19 जून : केंद्रीय आयुष मंत्रालय के तत्वावधान में विश्व योग दिवस पर दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर आयोजित सार्वजनिक योग की कार्यक्रमों में से ब्रह्मा कुमारी संस्था के द्वारा **लाल किला मैदान में होने वाली सामूहिक योग सबसे बड़ी होगी जिसमें पचास हजार से अधिक लोग एकत्रित होकर योग अभ्यास करेंगे।**

माउंट आबू से खाश इसी कार्यक्रम हेतु पधारे **ब्रह्मा कुमारी संथा के प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी** यह विशाल सामूहिक योग को संचालन करने के साथ साथ इसे सम्बोधित करेगी। **केंद्रीय विज्ञान एवं तकनीक मंत्री डॉ हर्ष वर्धन** इसमें **मुख्य अतिथि** होंगे। **सांसद व बीजेपी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री मनोज तिवारी**, आयुष मंत्रालय के ऊंच पदाधिकारी तथा विभिन्न धर्म सम्प्रदाय के वरिष्ठ नेता गण यह कार्यक्रम में भाग लेंगे।

यह घोषणा ब्रह्मा कुमारी संस्था के मुख्य प्रवक्ता राजयोगी बी के बृजमोहन ने विश्व योग दिवस के उपलक्ष में संस्था द्वारा स्थानीय सिरीफोर्ट सभागार में आयोजित एक दिवसीय सार्वजनिक कार्यक्रम की समापन सत्र में की।

'परमात्मा शक्ति से जीवन में सुख शांति' शीर्षक पर आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित **इस समापन सत्र को राजयोगिनी दादी जानकी** सम्बोधित करते हुए कहा की सर्व आत्माओं के पिता परमपिता परमात्मा निराकार ज्योति स्वरूप शिव से योग लगाने से ही सारे कलह क्लेश समाप्त हो जाते हैं और जीवन शांत, सुखी बन जाता है। यह राजयोग से ही संसार स्वर्ग बनेगा

सांसद व बीजेपी नेता मिनाक्षी लेखी ने कहा की राजयोग और हठयोग दोनो अलग है, शारीरिक बीमारी के लिए हठयोग किया जाता है। लेकिन आज मन की बीमारी बढ़ती जा रही है उसके लिए राजयोग सही माध्यम है । जीवन में मानसिक व शारीरिक दोनों के संतुलन के लिए राजयोग आवश्यक है ।

Film Actress दिव्या खोसला कुमार अपने जीवन का अनुभव सुनाते हुए कहा कि जीवन में बहुत ऐसे पड़ाव आते हैं जब मन में अनेक प्रश्नो होता है और जिनका उत्तर नहीं मिलता तब राजयोग के अभ्यास से सच्चे मन की शांति की अनुभूति होती है और जीवन जीने की कला आ जाती है। समस्या से हम समाधान की और जाते है। जीवन खुशनुमा हो जाता है ।

ब्रह्मा कुमारी संस्था के प्रवक्ता राजयोगिनी ब्रह्मा कुमारी आशा आपने सभी आमंत्रित अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा को भारत योग गुरु है तथा ५००० वर्ष पूर्व गीता में वर्णित योग जो स्वयं परमपिता परमात्मा ने सिखाया वही सच्चा राजयोग है जिस से स्वर्ग के द्वार खुल जाते है। इस को सहज योग भी कहते है क्योंकि कोई भी इसे कही भी . कभी भी कर सकता है। यही कर्मयोग भी है क्योंकि कर्म करते भी ईश्वर को मन बुद्धि से याद कर सकते है। योग को जीवन में धारण करने से जीवन ही योगी जीवन हो जाती है।

